निकाय चुनाव : ई.वी.एम. का पिटारा खुलने से पहले शुरू हुआ ''बोर्ड का सियासी खेल''

भाजपा-कांग्रेस ने संभावित विजेताओं को साधने के लिए कमर कसी; रिसॉर्ट में जुटाए प्रत्याशी; निर्दलीयों पर नजर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । निकाय चुनाव में मतदान का दौर खत्म होते ही जयपुर की सियासत में अब बोर्ड बनाने की जंग शुरू हो गई है। मतदाताओं का फैसला ईवीएम में बंद है, लेकिन भाजपा और कांग्रेस ने परिणाम से पहले ही अपने-अपने खेमे को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। दोनों दलों ने प्रत्याशियों से संपर्क बढ़ाने के साथ उन्हें एकजुट रखने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

भाजपा ने शनिवार को जयपुर शहर कार्यालय से अपने पार्षद प्रत्याशियों को बसों के जरिए दिल्ली रोड स्थित रिसॉर्ट भेज दिया। पार्टी इसे प्रशिक्षण वर्ग बता रही है। वहीं, कांग्रेस ने भी देर शाम अपने प्रत्याशियों को घाटगेट पर जुटाकर बस्सी क्षेत्र के रिसॉर्ट की ओर रवाना करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। मतदान के बाद दोनों दलों की इस सक्रियता को संभावित बाड़ेबंदी और बोर्ड गठन की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। 14 सितंबर को मतगणना होगी। इसके बाद 21 सितंबर को महापौर और 22 सितंबर को उपमहापौर का चुनाव होना है। ऐसे में परिणाम आने के बाद करीब एक सप्ताह तक पार्षदों को अपने पाले में बनाए रखना दोनों दलों के लिए बड़ी चुनौती होगी।

परिणाम से पहले ही शुरू हुआ जोड़-तोड़ का गणित

जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में मुकाबला होने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल बोर्ड के बहुमत का है। भाजपा और कांग्रेस दोनों अपने-अपने स्तर पर जीत का दावा कर रहे हैं, लेकिन किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं। ऐसे में एक-एक पार्षद की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। यही कारण है कि दोनों दल संभावित विजेताओं को एकजुट रखने के साथ उन निर्दलीय प्रत्याशियों पर भी नजर रख रहे हैं, जिनके चुनाव जीतने की संभावना मजबूत मानी जा रही है।

भाजपा ने शनिवार को जयपुर शहर कार्यालय से अपने पार्षद प्रत्याशियों को बसों के जरिए दिल्ली रोड स्थित रिसॉर्ट भेजा।

भाजपा ने 'प्रशिक्षण' के बहाने बनाया कैंप

भाजपा ने शनिवार दोपहर अपने पार्षद प्रत्याशियों को शहर कार्यालय बुलाया। प्रत्याशियों को पहले ही आवश्यक सामान साथ लाने के निर्देश दिए गए थे। कार्यालय पहुंचने के बाद उन्हें बसों से दिल्ली रोड स्थित रिसॉर्ट के लिए रवाना किया गया। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह बाड़ेबंदी नहीं बल्कि प्रशिक्षण वर्ग है। इसमें प्रत्याशियों को पार्टी की रीति-नीति, विचारधारा, सुशासन, सरकारी योजनाओं और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार महिला प्रत्याशियों के लिए बच्चों और परिवार के साथ रहने की व्यवस्था भी की गई है। जयपुर के अलावा अन्य निकायों में भी इसी तरह प्रत्याशियों को एकजुट रखने की कवायद की जा रही है।

भाजपा का दावा : पार्टी में प्रशिक्षण नियमित प्रक्रिया

भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि पार्टी में प्रशिक्षण की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इस शिविर में वरिष्ठ नेता प्रत्याशियों का मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा में पार्टी परिवार की तरह है और कार्यकर्ता भी परिवार की तरह साथ रहते है।

वहीं दूसरी ओर भाजपा के प्रत्याशियों को रिसॉर्ट भेजे जाने के बाद कांग्रेस ने भी अपनी रणनीति तेज कर दी। जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा के आवास पर वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। इसमें प्रत्याशियों को परिणाम तक और उसके बाद भी एकजुट रखने पर चर्चा की गई। कांग्रेस ने 150 प्रत्याशियों से लगातार संपर्क बनाए रखने के लिए विधानसभा क्षेत्रवार नेताओं को जिम्मेदारी दी है। देर शाम प्रत्याशियों को घाटगेट पर एकत्रित किया गया और वहां से बस्सी क्षेत्र स्थित रिसॉर्ट ले जाने की प्रक्रिया शुरू हुई। कांग्रेस की रणनीति में खास जोर इस बात पर है कि मतगणना के बाद संभावित विजेता किसी दूसरे खेमे के संपर्क में न आएं।

कांग्रेस : जरूरत पड़ी तो प्रत्याशियों को बाहर रखेंगे

- 14 सितंबर को मतगणना के बाद 21-22 सितंबर को महापौर-उपमहापौर का चुनाव होगा, ऐसे में करीब 9 दिन तक पार्षद प्रत्याशी पार्टी की निगरानी में रहेंगे

जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि पार्टी के सभी 150 प्रत्याशी कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े हैं।

उन्होंने जयपुर में कांग्रेस का बोर्ड बनने का दावा करते हुए कहा कि सभी विधायकों और विधानसभा चुनाव लड़ चुके नेताओं को अपने-अपने क्षेत्रों के प्रत्याशियों के संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए है।

उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी से बगावत कर चुनाव मैदान में उतरे लोगों के लिए भी वापसी के रास्ते खुले हैं, यदि वे कांग्रेस की विचारधारा के साथ वापस आना चाहते है। ज्ञात रहे कि शनिवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा के आवास पर हुई बैठक में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, शहर कांग्रेस प्रभारी रोहित बोहरा, विधायक अमीन कागजी, रफीक खान, अर्चना शर्मा, गंगा देवी, पुष्पेंद्र भारद्वाज और विक्रम सिंह शेखावत सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में तय किया गया कि सभी कांग्रेस प्रत्याशियों को एकजुट रखने के लिए पार्टी पूरी तरह सतर्क रहेगी।

बाडाबंदी का अंतिम फैसला शनिवार रात या रविवार सुबह तक होने की संभावना है। पार्टी निर्देश जारी होने के बाद विधायकों और विधानसभा चुनाव लड़ चुके नेताओं को अपने-अपने क्षेत्र के प्रत्याशियों को निर्धारित स्थान तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी जाएगी।

बागियों और निर्दलीयों पर दोनों दलों की नजर

इस पूरे खेल में सबसे अहम भूमिका निर्दलीय पार्षदों की हो सकती है। टिकट नहीं मिलने के बाद भाजपा और कांग्रेस से बगावत कर चुनाव लड़ने वाले कई प्रत्याशी अपने वार्ड में मजबूत स्थिति में माने जा रहे है। यदि परिणाम में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला तो यही निर्दलीय पार्षद बोर्ड गठन में निर्णायक हो सकते हैं। ऐसे में दोनों दलों ने संभावित जीत वाले निर्दलीयों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। परिणाम के बाद इनके सामने समर्थन के बदले राजनीतिक सौदेबाजी के रास्ते भी खुल सकते हैं।

14 सितंबर के बाद बदलेगी तस्वीर

14 सितंबर को भवानी निकेतन स्थित मतगणना केंद्र पर ईवीएम खुलेंगी और तस्वीर साफ होगी। इसके बाद विजयी प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रमाण-पत्र दिलाकर सीधे पार्टी कैंप में ले जाने की रणनीति पर काम चल रहा है। यदि भाजपा या कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिल जाता है तो बोर्ड बनाना अपेक्षाकृत आसान होगा, लेकिन बहुमत का आंकड़ा छूने से कुछ सीटें कम रहने पर निर्दलीय और अन्य खेमों के पार्षदों की अहमियत अचानक बढ़ जाएगी।

महापौर चुनाव तक जारी रहेगा ''पहरा''

महापौर का चुनाव 21 सितंबर और उपमहापौर का चुनाव 22 सितंबर को होना है। यानी मतगणना के बाद भी दोनों दलों के पास अपने विजयी पार्षदों को संभालकर रखने के लिए करीब एक सप्ताह का समय रहेगा। यही वह दौर होगा जब संपर्क, समर्थन, सेंधमारी और क्रॉस वोटिंग की आशंकाएं सबसे ज्यादा रहेंगी। इसलिए मतदान खत्म होने के साथ ही भाजपा और कांग्रेस ने प्रत्याशियों की घेराबंदी शुरू कर दी है। अब मुकाबला ईवीएम से निकलकर रिसॉर्ट तक पहुंच गया है। 14 सितंबर को जनता का फैसला सामने आएगा, लेकिन जयपुर का बोर्ड किसके कब्जे में जाएगा, इसकी असली सियासी बाजी उसके बाद शुरू होगी।

जेल में मोबाइल मिलने के आरोप के बाद पूर्व विधायक बलजीत यादव भूख हड़ताल पर बैठे

जयपुर । जयपुर सेंट्रल जेल में बंद पूर्व विधायक बलजीत यादव शनिवार को भूख हड़ताल पर बैठ गए। जेल में मोबाइल रखने के आरोप में उनके खिलाफ 9 सितंबर को लालकोठी थाने में मामला दर्ज किया गया था। यादव ने आरोप लगाया है कि सरकार के दबाव में उनके खिलाफ द्वेषतापूर्वक झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

तसींग (कोटपूतली-बहरोड़) के निवर्तमान सरपंच प्रतिनिधि संदीप यादव ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार को जेल में करीब 20 मिनट तक बलजीत यादव से मुलाकात की। उनके अनुसार यादव ने मोबाइल रखने के आरोप से इनकार किया और बताया कि जिस बैरक में वे रहते हैं, वहां पुलिस ने तलाशी नहीं ली थी। यादव ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और जेल महानिदेशक को पत्र भेजकर जेल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांचने की मांग की है। उनका कहना है कि फुटेज से मोबाइल बरामदगी के दावे की सच्चाई स्पष्ट हो जाएगी। गत 9 सितंबर को जयपुर सेंट्रल जेल में कैदियों और बैरकों की तलाशी का अभियान चलाया गया था। जेल प्रशासन के अनुसार, तलाशी के दौरान बलजीत यादव के पास से मोबाइल बरामद हुआ, जिसे जब्त कर लिया गया। इसके बाद लालकोठी थाने में मामला दर्ज कराया गया। जेल में गुरुवार को हुए तलाशी अभियान में भी आठ बंदियों के पास से मोबाइल मिलने की बात सामने आई थी। आरोप है कि यादव ने मोबाइल कंबल में छिपा रखा था। पूर्व विधायक बलजीत यादव 3 फरवरी 2026 से विधायक निधि के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामले में जेल में बंद हैं। मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। मोबाइल बरामदगी के मामले में यादव ने लगाए गए आरोपों से इनकार करते हुए निष्पक्ष जांच और सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की।

खेल-खेल में छात्र के हाथों पर सैनिटाइजर डालकर आग लगाई

जयपुर। कालवाड़ थाना क्षेत्र स्थित एक संस्कृत स्कूल में शनिवार को लंच टाइम के दौरान खेल-खेल में छठी कक्षा के छात्र के साथ बड़ा हादसा हो गया। आरोप है कि दो छात्रों ने उसके दोनों हाथों पर सैनिटाइजर डालकर माचिस की तीली से आग लगा दी। देखते ही देखते छात्र के हाथ आग की लपटों से घिर गए। आग लगने से घबराए छात्र ने पहले दोनों हाथों को आपस में रगड़कर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग नहीं बुझी। इसके बाद उसने जलते हाथ कपड़ों पर रगड़ दिए, जिससे शर्ट ने भी आग पकड़ ली। छात्र के कपड़ों में आग लगते ही आसपास मौजूद अन्य छात्र मदद के लिए दौड़े और उसकी शर्ट खोलकर आग बुझाई। हादसे में छात्र के हाथ सहित शरीर के कुछ हिस्से झुलस गए। घटना के बाद स्कूल में हड़कंप मच गया। स्कूल प्रबंधन ने छात्र को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना को लेकर स्कूल प्रबंधन और पुलिस की ओर से जानकारी जुटाई जा रही है।

रिसॉर्ट में छापा : 7 विदेशी युवतियों समेत 11 लोग पुलिस हिरासत में

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर के एक लग्जरी रिसॉर्ट में चल रही कथित हाई-प्रोफाइल पार्टी पर पुलिस की स्पेशल टीम ने शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि को दबिश देकर थाईलैंड की सात विदेशी युवतियों समेत 11 लोगों को हिरासत में लिया।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन स्थानीय युवकोंऔर रिसॉर्ट मालिक को भी डिटेन किया। पुलिस को मौके से संदिग्ध सामग्री और नशीले पदार्थ मिलने की बात सामने आई है। इसके बाद पुलिस ने शहर में सक्रिय किसी बड़े नशे के नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार हिरासत में ली गई थाईलैंड की 7 युवतियों के पासपोर्ट और वीजा की अवधि पहले ही समाप्त हो चुकी थी। इसके बावजूद वे जयपुर में रह रही थीं और पार्टी में मौजूद थीं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वैध दस्तावेजों के बिना ये युवतियां कितने समय से जयपुर में रह रही थीं और उनके यहां रहने की व्यवस्था किसने कराई थी।

- पुलिस का कहना है कि हिरासत में ली गई थाईलैंड की 7 युवतियों के पासपोर्ट और वीजा की अवधि खत्म हो चुकी थी। इसके बावजूद वे जयपुर में रह रही थीं और पार्टी में मौजूद थीं।
- पुलिस जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि मामला किसी अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी नेटवर्क, मानव तस्करी या अन्य अवैध गतिविधियों से जुड़ा है या नहीं।

पुलिस कार्रवाई के दौरान रिसॉर्ट से संदिग्ध सामग्री और नशीले पदार्थ मिलने की बात सामने आई है। इसके बाद पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि पार्टी का आयोजन किस उद्देश्य से किया गया था और इसमें नशीले पदार्थ कहां से पहुंचे। रिसॉर्ट मालिक की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

पुलिस अब हिरासत में लिए गए सभी लोगों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि मामला किसी अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी नेटवर्क, मानव तस्करी या अन्य अवैध गतिविधियों से जुड़ा है या नहीं।

पुलिस के अनुसार पूछताछ और जांच के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर स्पष्ट होगी। संभावित नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका सामने आने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

''विकसित भारत-जन सेवा अभियान'' 17 सितंबर से एक माह तक चलेगा

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बैठक लेकर तैयारियों पर चर्चा की

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शनिवार को शासन सचिवालय में महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति, 'विकसित भारत-जन सेवा अभियान' की कार्ययोजना एवं अन्य विषयों को लेकर बैठक हुई। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को अभियान की तैयारियां पूरी करने व अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

'विकसित भारत' के लक्ष्यों की दिशा में जनभागीदारी, जनसेवा, सामाजिक सरोकार और सुशासन की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक राज्यव्यापी 'विकसित भारत-जन सेवा अभियान' चलाया जाएगा। अभियान के दौरान रक्तदान शिविर, शैक्षिणक संस्थानों में चित्रकला, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताएं, प्रेरणादायी वीडियो प्रदर्शन, आशा सहयोगिनियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन, विद्यार्थियों की रैली, श्रमदान, सामुदायिक गतिविधियां, जनसेवा शिविर, रंगोली प्रदर्शन और नवाचार को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम होंगे।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने लंपी रोग की रोकथाम के लिए शत-प्रतिशत टीकाकरण, आइसोलेशन और व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिलों में रोग की स्थिति की लगातार निगरानी कर आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। केंद्र सरकार की पशुपालन आयुक्त डॉ. नवीना बी. ने देश एवं प्रदेश में रोग के संक्रमण और रोकथाम के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने निराश्रित पशुओं एवं गौशालाओं पर विशेष ध्यान देते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण के प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव, पशुपालन विभाग विकास सीताराम भाले ने बताया कि रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए प्रदेश में पशु मेलों के आयोजन पर प्रतिबंध लगाया गया है। केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पशु परिचरों द्वारा घर-घर जाकर पशुओं का सर्वे भी किया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव राजस्व टी. रविकांत ने फार्मर रजिस्ट्री की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टरों को समीक्षा कर निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने वीबी-जी राम जी योजना के तहत श्रमिक नियोजन एवं भुगतान तथा राजीविका की समीक्षा करते हुए क्लस्टर चिन्हीकरण सहित अन्य विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में संबंधित विभागों के प्रशासनिक सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जबकि कलेक्टर्स वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शनिवार को सचिवालय में महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति, 'विकसित भारत-जन सेवा अभियान' की कार्ययोजना को लेकर बैठक हुई।

दूध कारोबारी पर सात युवकों ने किया हमला

जयपुर । कानोता क्षेत्र में शुक्रवार रात दूध सप्लाई कर घर लौट रहे कारोबारी पर दो बाइकों से आए सात युवकों ने हमला कर दिया। रास्ते में दूध कारोबारी को रोककर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी भागने लगे। लोगों ने एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना रात करीब 10 बजे की है। पुलिस ने मामले में दो युवकों को राउंडअप किया है।

थानाधिकारी वीरेंद्र सिंह के अनुसार नायला निवासी राधाकिशन शर्मा शहर में दूध सप्लाई करने के बाद घर लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि राधाकिशन और उनके पडौसी भी दूध बेचने का काम करते हैं। राधाकिशन 50 रुपए किलो में दूध बेचते हैं, जबकि पडौसी पक्ष 60 रुपए किलो में दूध बेचता है। इसी कीमत को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार पड़ोसी की बेटी ने यह बात अपने परिचित युवक को बताई, जिसके बाद कुछ युवक राधाकिशन के साथ मारपीट करने पहुंचे थे।

मौके पर पकड़े गए युवक ने भीड़ को बताया कि सात युवक दो बाइकों से आए थे। उसके अनुसार साथियों ने दूध की टंकियां लेकर जाने वाले व्यक्ति से मारपीट करने की बात कही थी और उन्हें बताया गया था कि दूध कारोबारी करीब साढ़े 9 बजे इस रास्ते से गुजरता है। आरोपी ने यह भी बताया कि साथियों ने इससे पहले आगे चल रही एक गाड़ी में सवार व्यक्ति के साथ भी मारपीट की थी। पकड़े गए युवक ने खुद को गुरदाड़ा फैक्ट्री से आया और टाइल भरने का काम करने वाला बताया। उसने कहा कि वह प्रदीप के कहने पर मौके पर पहुंचा था। इसी दौरान उसके मोबाइल पर वाट्सऐप कॉल आया। भीड़ ने कॉल रिसीव करवाकर सामने वाले से बात करने की कोशिश की। आरोपी ने फोन पर 'बना, एक बार यहां आ जाओ' कहा। कॉल कटने के बाद उसने बताया कि फोन राहुल बना का था और मोबाइल में उसकी फोटो भी दिखाई। पुलिस द्वारा राउंडअप किए गए दो आरोपियों के मोबाइल की जांच में हथियारों के साथ बनाई गई रील भी मिली है। पुलिस के अनुसार वीडियो में युवक सरिए, डंडे और एयरगन के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में हथियार लहराते और गाली देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। पुलिस वीडियो और मोबाइल में मिले अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित राधाकिशन शर्मा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है।

एसीपी कानोता हजारी लाल यादव ने बताया कि फिलहाल मामला मारपीट से जुड़ा है। दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। आरोपियों के लूट के इरादे से पहुंचने की आशंका की भी जांच की है।

सार-समाचार

'व्रत, मर्यादा स्वस्थ समाज की आधारशिला'

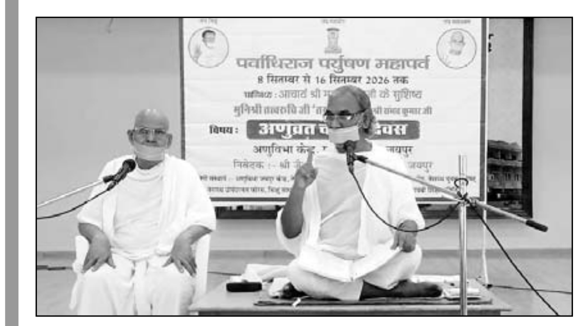

जयपुर । अणुविभा केन्द्र, मालवीय नगर में पर्युषण महापर्व के पांचवें दिन शनिवार को 'व्रत चेतना दिवस' का आयोजन किया गया। महाप्रज्ञ सभागार में आयोजित धर्म परिषद को संबोधित करते हुए मुनिश्री तत्त्व रुचि 'तरुण' ने कहा कि व्रत से आत्महित के साथ समाजहित भी जुड़ा है। व्रत आत्म नियंत्रण की प्रक्रिया है। प्रकृति में भी सूर्य, चंद्रमा, ग्रह-नक्षत्र अपनी मर्यादा में रहते हैं, तभी संसार सुरक्षित है। इसी प्रकार व्रत और मर्यादा स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। मुनिश्री तत्त्व रुचि ने कहा कि आत्म विकास के लिए भगवान महावीर ने आत्म संयम और आत्म नियंत्रण का संदेश दिया। धर्म की शुरुआत और धार्मिकता की पहचान केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि व्रत, संयम और त्याग से होती है। भोग-उपभोग की सीमा तय करने से परिवार और समाज स्वस्थ रहता है। उन्होंने भगवान महावीर के पूर्व भवों की कथा सुनाते हुए कहा कि जीवन यात्रा अनादि है तथा तप, जप, ध्यान, स्वाध्याय, सेवा और भक्ति के माध्यम से अंतिम मंजिल प्राप्त की जा सकती है। मुनिश्री संभव कुमार ने कहा कि व्रत धर्म है और आत्मा से जुड़ने वाले कर्मों के बंधन को रोकता है। व्रत आत्मशुद्धि का सर्वोत्तम उपाय है। व्रत से आत्मा स्वस्थ और व्यवहार विश्वसनीय बनता है। उन्होंने कहा कि अणुव्रत अच्छाइयों का गुलदस्ता है, जिससे व्यक्तित्व महकता और चमकता है। जीवन की सार्थकता व्रत से है। कार्यक्रम में आचार्य तुलसी द्वारा रचित अणुव्रत गीत का संगान किया गया। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष शांतिलाल गोलछा ने पर्युषण की शुभकामनाएं देते हुए आवश्यक जानकारी दी। शासन सेवी डॉ. नरेश मेहता ने तपस्वी प्रदीप डोसी के तप की अनुमोदना की। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने बेले, तेले, चौले और पचोले तप का प्रत्याख्यान किया। पूर्व मंत्री के. सी. बिश्नोई ने मुनिश्री के दर्शन कर आध्यात्मिक मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रीरामचंद्र मंदिर में सजा श्याम का दरबार

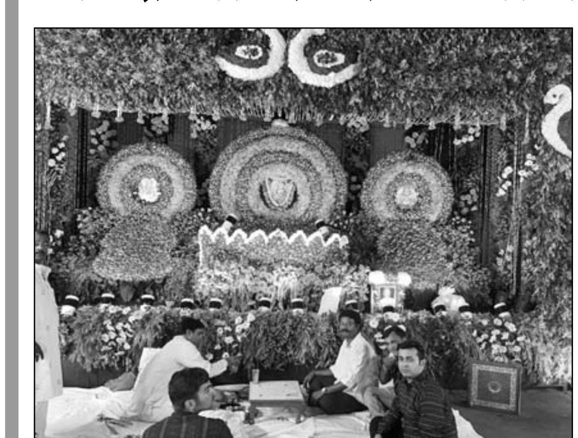

जयपुर । श्री राधे राधे सेवा परिवार का 21वां वार्षिकोत्सव शनिवार को चांदपोल बाजार स्थित प्राचीन मंदिर श्री रामचंद्रजी में भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। श्याम प्रभु को दरबार का विशेष श्रृंगार आकर्षण का केंद्र रहा। कलकत्ता से आए कारीगरों ने करीब 1100 किलो फूलों से अनूठा श्रृंगार किया। दीपक माली ने श्रृंगार सेवा की। महामंत्री चेतन अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु की आरती से हुई। शुक संप्रदाय पीठाधीश्वरल अलबेली माधुरी शरण महाराज, काले हनुमान मंदिर के महंत गोपाल दास महाराज, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य सहित अनेक संत-महंतों का अध्यक्ष प्रतीक गोयल ने पूरी कार्यकारिणी के साथ सम्मान किया। अभिषेक खंडेलवाल ने गणेश वंदना से भजन संध्या का शुभारंभ किया। राहुल खंडेलवाल ने हनुमान वंदना, आदित्य ने मां वंदना और मामराज अग्रवाल ने गुरु वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद अमित नामा ने 'हारे के सहारे आजा' सहित भजनों की प्रस्तुति दी। महेश परमार ने 'मन की बाता सांवरिया ने आज' भजन से माहौल को श्याममय बनाए रखा। धमाल किंग मनीष गर्ग घीवाला ने अपने चिर परिचित भजनों और शानदार धमाल से श्रद्धालुओं को नृत्य करने पर मजबूर कर दिया। कानपुर से आए श्रेष्ठ दीक्षित ने मध्यरात्रि में माइक संभाला और लगातार तीन घंटे तक बाबा श्याम का गुणगान किया। उन्होंने श्याम दरबार के श्रृंगार को देखकर 'सजने का है शौकीन, कहीं नजर ना लग जाए' से शुरुआत की। इसके बाद 'बोलो तो सही ओ बाबा' सहित अनेक भजनों की प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे। रिद्देश अरोड़ा ने 'श्याम मैं तेरी कठपुतली' भजन की प्रस्तुति दी।

16 से ज्यादा मामलों में नकबजन पकड़ा

जयपुर । वैशाली नगर पुलिस ने नकबजनी की दो वारदातों का खुलासा करते हुए 16 से अधिक आपराधिक मामलों में आरोपी शातिर नकबजन राकेश सिंह उर्फ रोकी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शोरूम और दुकानों की छत काटकर नकदी चुराता था। पुलिस ने उसके कब्जे से जुड़ी वारदातों का खुलासा कर अन्य घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राकेश सिंह उर्फ रोकी (28) उत्तराखंड के चंपावत जिले के तामली थाना क्षेत्र के गांव रमेला का रहने वाला है। वर्तमान में वह सिंधी कैंप रेलवे स्टेशन के पास फुटपाथ पर रह रहा था। उसके खिलाफ वैशाली नगर, चित्रकूट, सदर, झोटवाड़ा और सिंधी कैंप सहित जयपुर शहर के विभिन्न थानों में 16 से अधिक मामले दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपी ने जयपुर पूर्व और जयपुर दक्षिण जिले में भी कई वारदातें करना स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि थानाधिकारी अरविंद सिंह शेखावत के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। मानवीय आसूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ में पुलिस के अनुसार आरोपी नशे का आदी है। वह दिन में बाजारों में पैदल घूमकर दुकानों और शोरूम की रेकी करता था। रात में छत पर चढ़कर कटर से टीनशेड काटता और अंदर घुसकर तिजोरी व लॉकर से नकदी चुराकर फरार हो जाता था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके द्वारा की गई अन्य वारदातों व चोरी के माल के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

वार्ड 62 के भाग 23 में पुनर्मतदान आज

जयपुर । नगर निगम जयपुर के वार्ड संख्या 62 के भाग संख्या 23 में 13 सितंबर को पुनर्मतदान कराया जाएगा। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, कमरा नंबर 4 टीला वाला, सांगानेर स्थित मतदान केंद्र पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदाता मतदान कर सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी (निकाय) एवं जिला कलक्टर सन्देश नायक ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 11 सितंबर को हुई घटना के कारण मतदान प्रक्रिया प्रभावित होने तथा चुनाव की स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता पर असर पड़ने के मद्देनजर पूर्व मतदान को शून्य घोषित कर पुनर्मतदान के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि 11 सितंबर को मतदान के दौरान मतदाता सूची की विलोपन सूची में दर्ज 110 मतदाताओं द्वारा मतदान कर दिया गया था। इसके कारण मतदान प्रक्रिया इस सीमा तक प्रभावित हुई कि चुनाव को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष नहीं माना जा सका। राज्य निर्वाचन आयोग ने राजस्थान नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 55 के तहत मतदान को शून्य घोषित किया। पुनर्मतदान में केवल उक्त मतदान केंद्र के अधिकृत मतदाता ही मतदान कर सकेंगे। पूर्व मतदान में लगी अमिट स्याही के निशान की उपेक्षा की जाएगी और इस बार मतदाता के बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली पर अमिट स्याही लगाई जाएगी। पूर्व में प्रयुक्त मतपत्रों के स्थान पर नए मतपत्र उपयोग में लिए जाएंगे।

मुख्य सचिव से डीजीपी की शिष्टाचार भेंट

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से शनिवार सुबह पुलिस महानिदेशक राजस्थान राजीव कुमार शर्मा ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्य सचिव कार्यालय में हुई मुलाकात के दौरान प्रदेश की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, साइबर अपराधों पर नियंत्रण तथा सामुदायिक पुलिसिंग सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।